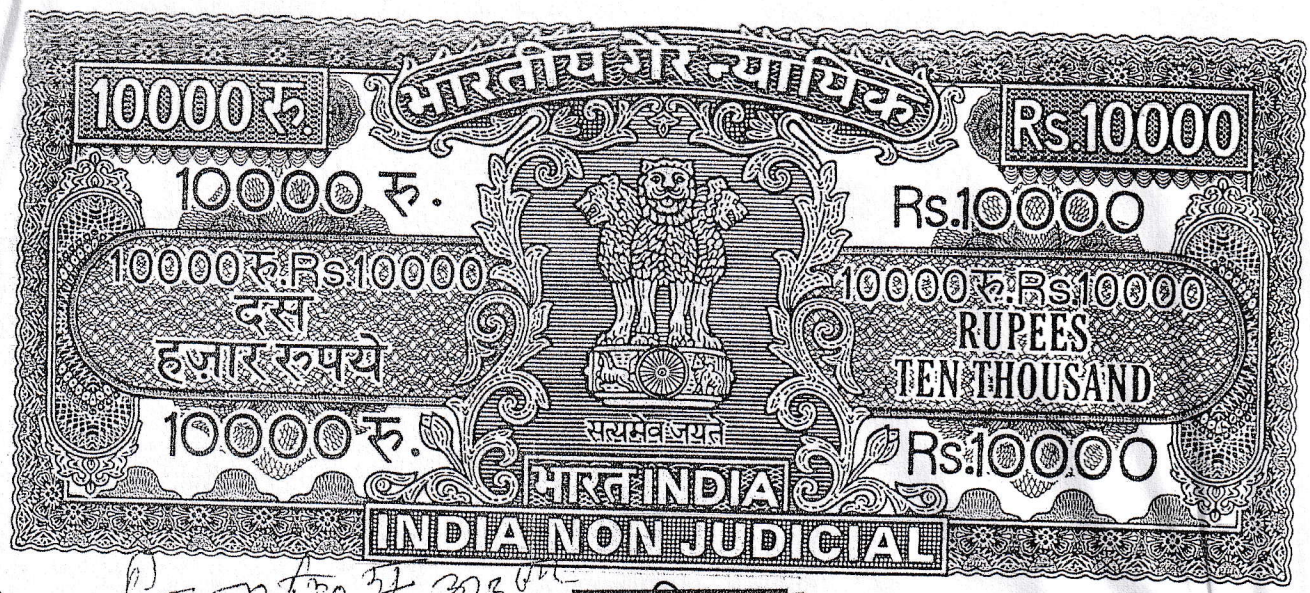

10000 रु.　भारतीय गैर न्यायिक　Rs.10000

10000 रु.　Rs.10000

10000 रु. Rs.10000
दस
हजार रुपये

10000 रु. Rs.10000
RUPEES
TEN THOUSAND

10000 रु.　सत्यमेव जयते　Rs.10000

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

04AA 001077

[illegible] 46 I/2010 [illegible] [illegible] 1899 की अनुसूची [illegible] 1 [illegible] 23 I 'A' [illegible]

28/12/2011

1. लेख्यकारी :– श्री अरविन्द कुमार पिता श्री महावीर प्रसाद, जाति – शौंडिक, पेशा – व्यवसाय, निवास ग्राम – सिमडेगा सोनारटोली, थाना – सिमडेगा, जिला – सिमडेगा (झारखण्ड)

.... विक्रेता

शपथ–पत्र संख्या 903/2011

2. लेख्यधारी :— श्री व्यास सिंह, पिता स्व. समरथ सिंह, जाति – बिंझिया, पेशा – नौकरी, निवास ग्राम – परबा, पोस्ट – सुखाझरिया, थाना – जलडेगा, जिला – सिमडेगा (झारखण्ड) भारतीय नागरिक .... क्रेतिका शपथ–पत्र संख्या 904/2011

3. लेख्य प्रकार :— विक्रय–पत्र केवाला बैला–कलामी, पुत्र–पुत्रादिक सदा–सर्वदा दिन के लिए होता है।

4. मूल्य :— मोबलिग तीन लाख तीस हजार रूपये अंके 3,30,000/– रूपये होता है।

5. सम्पत्ति :— एराजियत अन्दर मौजा गोतरा आनन्द नगर, थाना सिमडेगा, थाना नं. 80, सदर रजिस्ट्री ऑफिस वो जिला सिमडेगा के खाता नं. 198 (एक सौ अन्ठानबे), प्लॉट नं. 1645 (सौलह सौ पैंतालीस), रकबा 0.79 एकड़ (उनासी डिसमिल) में से 0.25 एकड़ (पच्चीस डिसमिल)। यह जमीन व्यवसायिक नहीं है। पूर्णतः आवासीय जमीन है जिस पर किसी प्रकार का मकान या निर्माण कार्य नहीं किया गया है।

Arbind Kumar 28.12.2011

28-12-2011

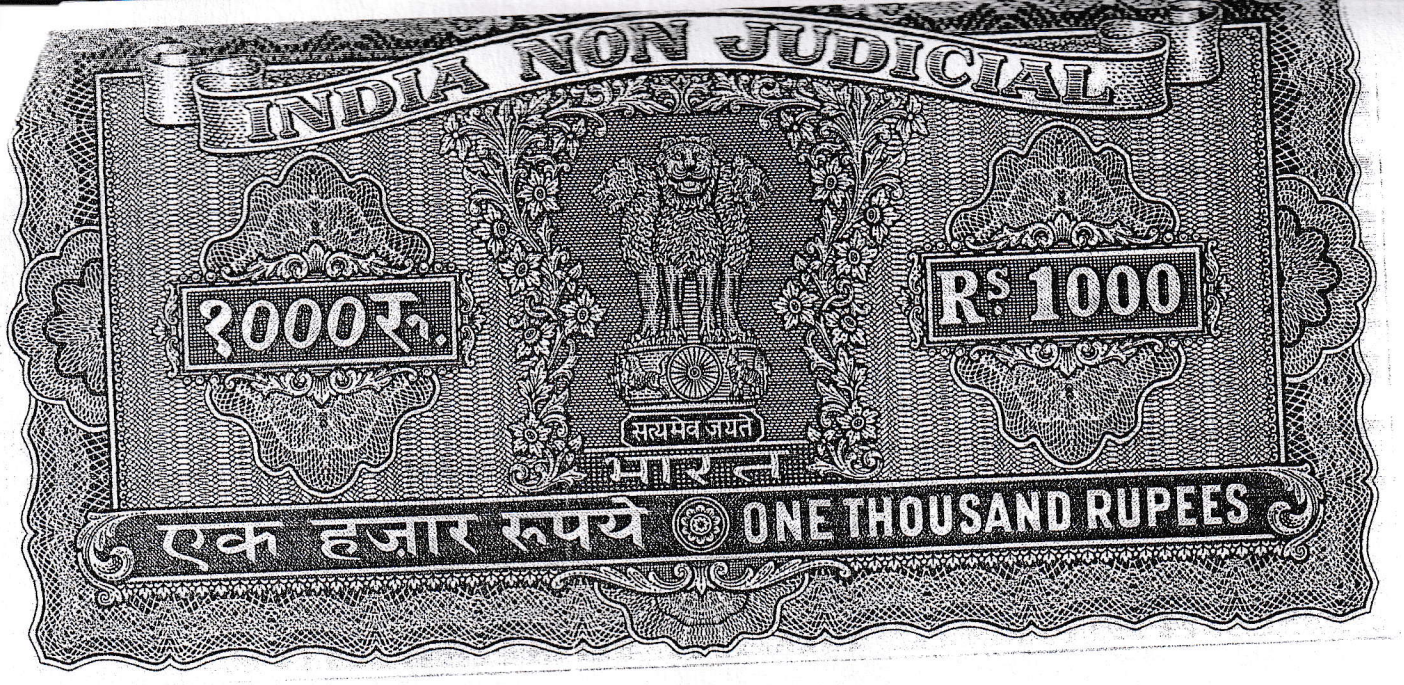

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

चौहद्दी :

उत्तर :– प्लॉट नं. 1650 टांड़

दक्षिण :– इसी प्लॉट में छोड़ा गया 10' का कच्चा रास्ता

पूरब :– इसी प्लॉट का अंश

पश्चिम :– नुवास मिंज का टांड़ एवं प्लॉट सं. 1649

मालगुजारी 03 पैसा अलावे सेस सालाना।

1. चूंकि मुझ लेख्यकारी को मकान बनाने एवं दीगर घरेलु खर्च हेतु रूपयों की जरूरत पड़ी जिसकी व्यवस्था जमीन बेचे बगैर संभव न हुई और तब मैंने लेख्यधारी से मेरी जमीन खरीदने की प्रार्थना की जिसे उन्होंने खरीदना एवं रूपये देना स्वीकार किया।

2. इसलिए मैंने अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्थ्यता में रहकर उपर खाना संख्या पांच में वर्णित जमीन को उपर्युक्त लेख्यधारी के हाथ नगद कीमत चुकता पाकर बेचा और बेची गई जमीन का कुल हक–दखल वो अधिकार उक्त लेख्यधारी वो उनके उत्तराधिकारियों के हाथ सदा दिन के लिए हस्तान्तरित कर दिया। अब से बेची गई जमीन पर न मेरा कोई हक–सरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का कोई हक–सरोकार रहा और न आइन्दा रहेगा।

3. मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि बिक्रीत वर्णित जमीन मेरी खरीदगी जमीन है जिसे मैंने केवाला संख्या 659 द्वारा दिनांक 22.06.2010 ई. को खरीदा था। बाद खरीदगी उक्त जमीन मेरे नाम से दाखिल–खारीज हो चुका है, जिसका दा.खा.वाद संख्या 266 आर 27/10–11 है। मालगुजारी रसीद मेरे खास नाम से कटता है। जमीन पर मेरा

Arbind Kumar
28.12.2011

नरेन्द्र सिंह
पिता स्व. तिलकचन्द सिंह
ग्राम- कुसुम
थाना- ठेठईटांगर, जि.- सिमडेगा
28.12.2011

निर्विवाद हक दखल वो कब्जा है और किसी प्रकार का वाद या झगड़ा–झंझट नहीं है।

4. अब चाहिए कि लेख्यधारी अपनी जमीन पर काबिज वो दखलकार होकर, अपना जैसा फायदा का समझे अपने उपयोग में लावें वो झारखण्ड सरकार बजरिये अंचल अधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय से अपने नाम पर दाखिल–खारिज कराकर तारीख लेख्य से व अदाय मालगुजारी के रसीद खास नाम से हासिल किया करे।

5. इसलिए यह विक्रय पत्र सदा दिन के लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे वो वक्त जरूरत पर काम आवे।

Arbind Kumar
28.12.2011

मैं लेख्यकारी यह घोषणा करता हूँ कि बिक्रीत जमीन वो बचत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है।

Arbind Kumar
28.12.2011

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यकारी के बांये हाथ का पांचों अंगुलियों का छाप मेरे समक्ष लिया गया।

संजय कुमार महतो
अधिवक्ता
28/12/2011

मैं लेख्यधारी यह घोषणा करता हूँ कि पूर्व में धारित जमीन वो खरीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग के अंतर्गत नहीं आता है।

Vyas [illegible] 28/12/2011

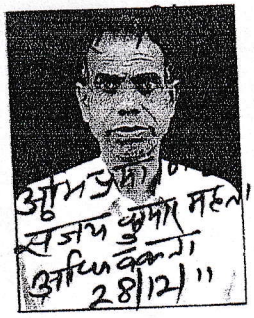

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यधारी के बाँये हाथ का पाँचों अंगुलियां का छाप मेरे समक्ष लिया गया।

संजय कुमार महतो
अधिवक्ता
28/12/2011

Arvind Kumar
28.12.2011

100Rs.

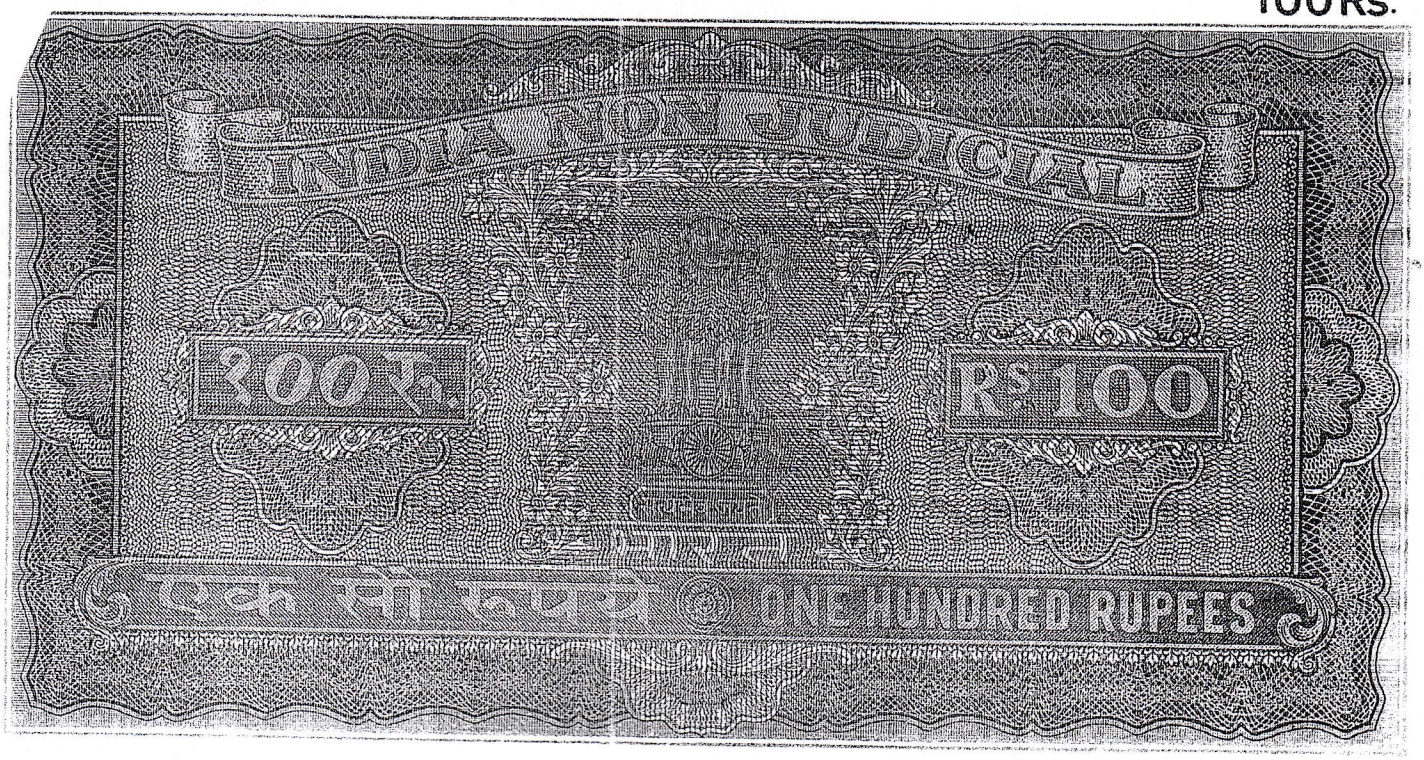

-6-

उभय पक्षों के कहे अनुसार इस विक्रय–पत्र दस्तावेज का प्रारूप तैयार किया एवं उनको गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना वो समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया।

सही/– संग्राम कुमार महतो
अधिवक्ता

(प्रारूपकर्त्ता) 28/12/2011

तारीख :–

Arbind Kumar
28.12.2011

प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय–पत्र दस्तावेज के कुल 6 पृष्ठों में कुल 541 शब्द टंकित हैं जो खण्डन रहित वो नक्शा सहित है।

टंकक/
Amit kumar 28/12/11
(अमित कुमार)
धीरज कम्प्यूटर्स, मार्केट कॉम्पलेक्स
दु०नं० 190, सिमडेगा